VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1217762

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Animesh Pradhan

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

27/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Delhi – 03

Gauri
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corporate ethics advocates the trinitarian welfare model catering to effective environmental, social and governance norms fulfilling the spirits of equity and sustainability.

Importance of integrating ESG metrics with multistakeholder approach

(1) Taking a **balanced approach** in meeting the **tripple bottom line** –

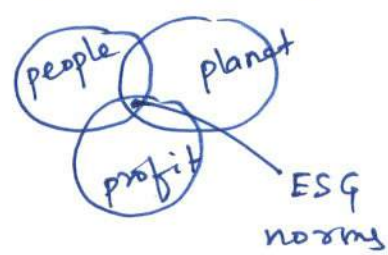

(2) **Ethical Corporate culture** on the lines 'maxim of reciprocity' where corporates have moral obligation to return goodwill to society.

(3) **Prevail ethical standards** transparent

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

governance taking care of various stakeholders create an amicable work culture.

(4) **Sustainable development** - To fulfill the demands of Paris Agreement, corporates need to environmentally ethical.

(5) **Productivity via Inclusion** - McKinsey reports note that diversity in organisations improve productivity by 30%. (social care)

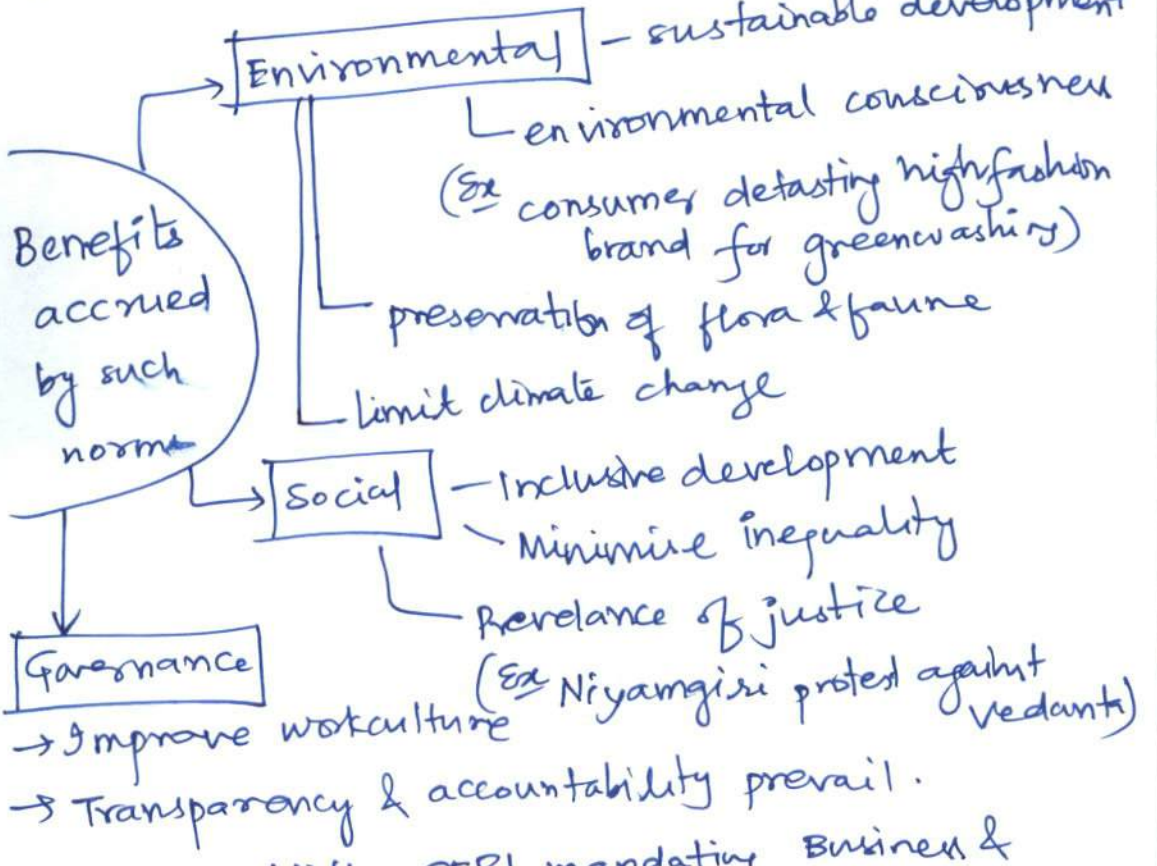

With SEBI mandating Business & Sustainability Reporting, India is moving towards an empowered, ethical corporate governance.

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

World Bank defines corruption as the misuse of public office for personal gain, but this ignores the supply side of corruption who — ① willingly give bribe
② collude with the authorities
③ do not speak against corruption.

Yes 'collusive corruption' is a formidable challenge for fighting corruption →

① Cartelisation and concentration of power by collusion by elites leads to corruption

Vohra Committee ⇒

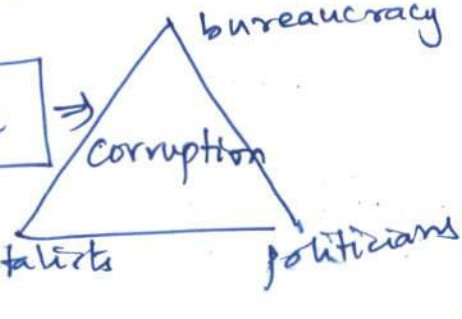

(2) Collusive corruption leads to coercive corruption where innocent, middle/poor class people are forced to pay bribe

(3) Bannality of Evil (Hannah Arendt) gets established as 'corruption' as a culture gets accepted & normalized.

(4) Economic implications in the form of inflation or decreasing purchasing parity, for ex corrupt builder passes on bribed money to innocent customers.

(5) lack of accountability because corrupt elites get away by misusing loopholes in laws
ex Nirav Modi etc.

Ways to tackle
- Use of digital tools - e governance
- ethical training & workshop
- appreciate & incentivise ethical corporate house like TATAs.
- strengthen bodies like CAG, Lokayata
- Community participation & social audit.

Hence, as Kausik Basu warns against 'Sanskritisation of Corruption', the supply side of it must be addressed.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Citizen charter pioneered in 1990s by John Major was an effective administrative tool established on the bed rock of transparency, public service delivery & accountability.

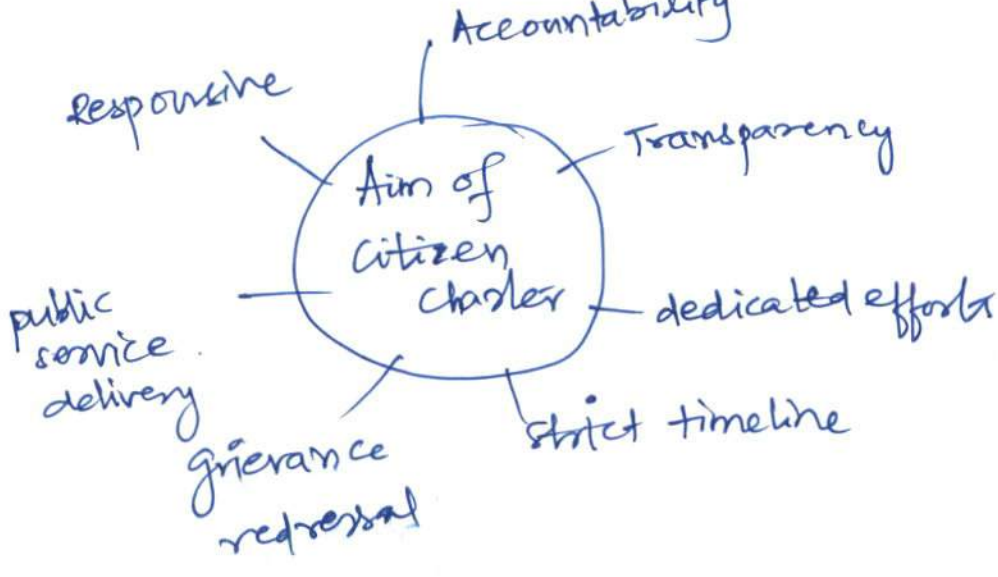

But the citizen charter has not been fulfilled because as sociologist Merton says, bureaucracy has become

'ritualist' - emphasising on means but not ends.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

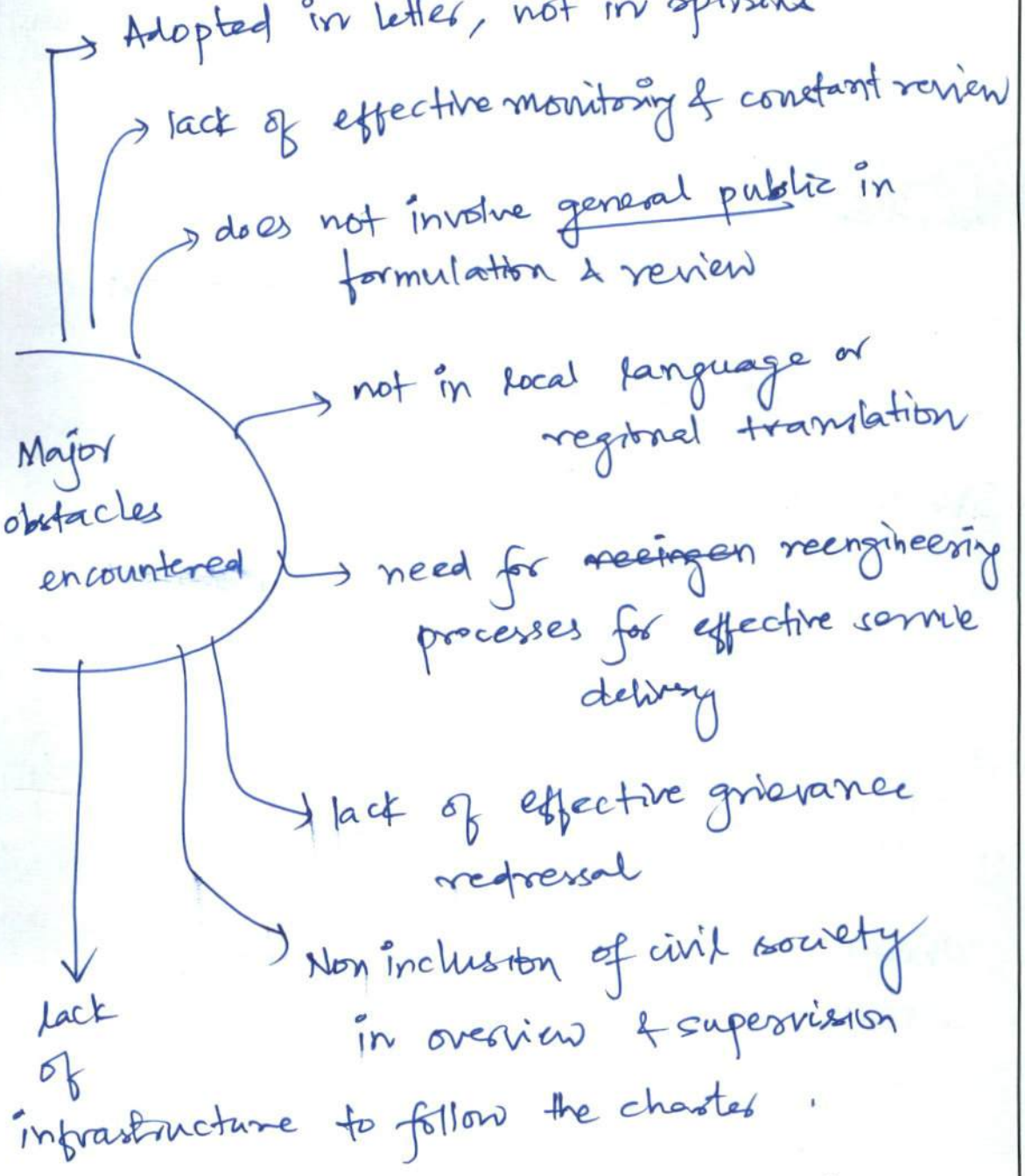

2nd ARC emphasises the utilisation of citizen charter for effective & good governance & public welfare.

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Gandhiji's Talisman can be used to understand the case of public service delivery & judge its effectiveness if it has been able to uplift the poorest of the poor.

Public service delivery is not efficient & sufficient enough ⟶

① Focuses on Means - JS Mill's utilitarianism ethics is not followed where goals are not at the core of the public delivery but rules are.

② lack of last mile delivery - 16% of Indians are multidimensionally poor, necessitating to fill the gap.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) lack of right beneficiary selection -

Ex 22% of ration cards in chattisgarh found to be bogus.

(4) lack of social audits and community participation has led to eroding of transparency & accountability.

(5) Culture & tradition like caste system, gender discrimination, religious bias hinder in effectiveness, ex Dalit children in separate row for midday meal.

But the public service delivery has achievements

→ Reduction in infant & child mortality rate to 27/1000 ^98/lakh & ~~and 98/~~la respectively

→ 67% of Indians under PDS

→ schemes like MGNREGA has reduced rural poverty

→ Urban poverty is on decline with schemes like SVANIDHI, NULM etc.

→ Tribals integrated to mainstream (PM Van Dhan, Eklavya)

As Atal Bihari Bajpayee notes "the success of government is not in economic growth but in effective governance & public service delivery"

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Imbibing the ageold jargon of 'sharing is caring', Lao Tzu emphasises the effectiveness of selflessness, compassion and helpfulness attitude for the common good.

The story of India emerging as the 'big brother' with policies like SAGAR and 'Neighbourhood first' through operation Kaveri (Sudan), Operation {Maitri} (vaccines) signify the importance of sharing and helping the humanity.

DPSP - Article 39(b) and SDG goal - 10 emphasise to arrest the concentr -ation of wealth and utilise it for common good.

In economic sphere, the ideals of socialism and in extreme form communism by Marx highlighted equitable distribution of property and resources for common good.

Corporates through ethical capitalism and CSR activities like Indianoil's 'Parivartan' for jail reforms, 'WIPRO Cares', 'Sunhera Kal by ITC' are testament to Tzu's ideas of 'wise men' who gives his resources to others.

The prevelance of environmental ethics can be seen by community ownership among North-East Tribals triumphing the cause of sustainable development.

In the words of pop culture idol, John Lennon,

"Imagine all the people,
having all the world,
you can call me a dreamer,
but I'm not the only one"

Let us work to achieve the ideals mentioned by Lennon & Tzu.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Robert Noyce highlights the importance of ethical behaviour among the people at the top of the hierarchy to pass on similar values across the levels.

Mugabe's Zimbabwe & Mandela's South Africa, both suffered from colonialism, but ethical Truth & Reconciliation of Mandela made the entire country effective in achieving growth but Zimbabwe supported due to its unethical & corrupt leadership.

Ethical leadership instill a healthy workplace culture - emanating spirit of transparency & innovation; example, ethical conduct of Vikram Sarabhai,

Satish Dhawan & Abdul Kalam as leaders at ISRO makes us realise the dream of Chandrayaan-3.

Coming closer to home, parents & elders occupying a higher ethical position pass on similar values. Parents & families imbibing racism, casteism, patriarchy reflect the same in children, but virtues too pass through parents, ex Sudha Murthy notes the role of her parents in righteous parenting.

The success of Montreal Protocol is because of the unwavering commitment of top leaders that percolates to individual level through laws & persuasion.

The strength of India lies in the ethics of its constitution makers who believed in the ideals of democracy & equality.

Hence, people at top have higher moral compass to bestow on their successors with ethical virtues.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

John Locke highlights the true goal of law which should be a medium of emancipator and forerunner of liberty, rather than be coercive.

Lord Acton notes that "liberty is a delicate fruit of matured civilisation". A matured civilisation understands that laws should not prevent people from practising their freedom, rather help them grow.

Ex In Ramesh Thapar vs State of Madras, supreme Court highlighted the essence of freedom of press for a matured & liberal democracy.

In case of homosexuality, 33 nations have approved same-sex marriage,

realising the true ideals of laws that should create safe space for individuals. In India, NALSA vs UoI for transgender rights & Navtej Johar for decriminalising homosexuality are welcomable step.

Taliban at an extreme end is the representative of a tyrannical despot that undermines equality & liberty of women but with legislations like POSH Act and measures like 'Beti Bachao, Beti Padhao', India shows the way.

Michael Foucault notes the changing state of democracies that shifts from repressive to restitutive punishment, as seen in Bachan Singh vs UoI case.

Although Aristotle notes that ethical people do not require laws, but laws should be the instrument for self realisation and social development.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'Be the change you want to see in the world', various CEOs who believe in ethical cap° capitalism & income equality are showing the way including Bill Gates, Azim Premji, Ratan Tata etc.

Positive Outcomes

- Helpful in wealth redistribution as per Article 39(b) of DPSP & SDG-10
- Inspires people to pursue philanthrophy at various levels
- Discourages material growth & materialistic attitudes
- 'Maxim of Reciprocity' works where one belief that since she has got better because of others, it is her responsibility to pay back
- Ethical capitalism gets manifested

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

But this is not sufficient in achieving a positive change

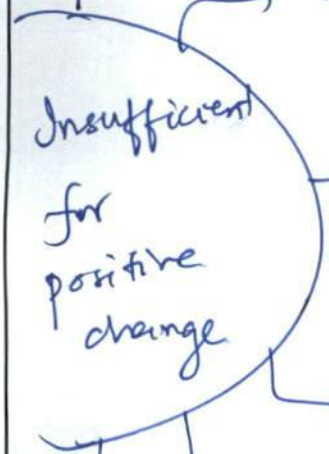

- Proportion of philanthrophy is miniscule compared to wealth generated
- Accused of 'greenwashing' or mere symbolic in nature
- Reaffirms the belief that only rich can do philanthrophy
- Used as a crony capitalistic move to create false brand image.
- lack of monitoring of such funds & their effectiveness
- Core issues of discrimination, parsity, prejudices still remain.

Even though Kant's Categorical Imperative appreciates philanthrophy, one must be careful about its outcomes & consequences.

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accenture notes that AI can add US $1 trillion to India's economy by 2035, but economic growth without equity, ethics & engagement becomes fruitless.

Concerns regarding AI →

(A). Fairness - algorithms are biased since they are fed on a dataset that is biased/prejudiced

Ex Amazon's AI recruitment system discarded systematically women because historical data had low women participation.

→ Creates divides in the form of 'digital apartheid' where the tool is used & utilised by few, ex only 29.3% of women in India with digital literacy.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(B). **Transparency**

→ Issues of data privacy & need of data security regime against the goals of AI.

→ constant use of data & surveillance evades the personal freedom, illustrated in **Manohar Sharma vs UoI** case.

→ AI algorithms are deemed to be 'black box', so lack of transparency in its utilisation.

(C). **Job Security**

→ **OECD** notes that 27% of current jobs can be automated/replaced by AI.

→ blue collar jobs & few white collar jobs are under threat.

→ leads to 'nondemocratisation of technology' where only super elite like consultants & scientists get hegemony.

As **CJI Chandrachud** notes "technology like AI can bring social justice, but can deepen divides & insecurities"

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayand Saraswati is a pioneer figure in cultivating socio-religious transfo-rmations with a rich legacy traversing through multiple generation.

His ideals continue to influence contemporary India —

① Views on education - His ideals led to establishing DAV schools in 1886 by Dayanand Hansraj that culminated traditional (vedic) & modern (anglo) values.

② Arya Samaj was founded in Bombay in 1875 that worked for upliftment of poor, against social evils like purdah,

caste system, untouchability, idol worship etc. such ideals are needed for contemporary India, ex Rohit Vemula or Hathras Case are symbolic of such prejudices.

(3) 'Back to Vedas' was the call of Dayanand Saraswati who emphasised on the old glory of India, similar to PM Modi's call for Panch Pran on Independence day (2022)

(4) Reconfigured patriotism where he inspired people to be associated in nation building process of the country.

(5) selflessness and community welfare were the main ethos, ex can be seen in practices of langar, Khalsa aid, disaster relief etc.

Hence Dayanand Saraswati continues to enrich India's legacy with his moral values and novel interpretation of Culture.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

symbolises one's attitude to meet the ethoes of public service delivery. Ex Saumya Pandey, IAS cutting her maternal leaves for COVID duties or Sanjukta Parashar's role in Bodo militancy. 'Karmayogi' officers exhibit the spirit of dedication to ensure the upliftment of masses, in lines with Gandhiji's Talisman.

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

~~Goo~~ 2nd ARC notes that non-partisanship is at the core of good governance. Ideals of impartiality and objectivity guide the civil servants to be non-partisan. TN Seshan's integrity & non-partisanship or UPSC as an organisation establishes non-partisanship at their core ethos.

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

Nolan Commission on good governance & public service values outline objectivity as a core feature. lack of objectivity can lead to direct/indirect partisanship, ex lack of codification of parliamentary privilege has led to chaotic instances. Objectivity leads to increase in trust among the general public & restores faith in public service.

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

Helen Keller notes that "tolerance is the biggest outcome of education"

Tolerance in pluralistic societies make the society more open and open societies thrive balancing everyone's rights & liberties (Karl Popper) Tyranny of majority is limited, and all voices get heard; this ensures unity in diversity and fraternity among all

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

Dalai Lama notes that "compassion is not deemed to be luxury, but a basic necessity for smooth functioning of society".

Compassion in public service is necessary to ensure utilitarianism (JS Mill) that benefits maximum people. A civil servant compassionate enough understands the agony of public & public trusts him more, ex Civil Servant Kamal Kishore compassionate attitude during Uttarakhand floods 2013 led to public cooperation. In cases of exclusion from ration cards, scheme benefits, demolition drives, war/riot tragedy, civil servant must exhibit compassion.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Goleman defines emotional intelligence (EI) as a means to understand the emotions & feelings of self and of others and mediating one's relationship and motivating the people we are engaged with.

EI is not just limited to emotions but characteristics helpful in navigating moral dilemmas, inhibitions and insecurities.

In professional life, for example

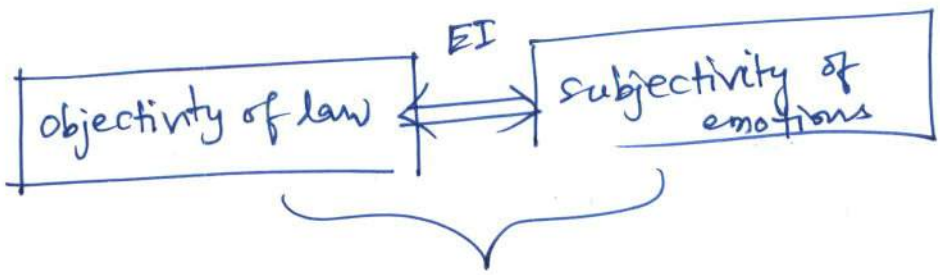

An old disabled lady not having ration card could be given benefit along with

helping here to enrol to get the card.

Chetan Rathore, IPS sang National Anthem during crowd & public protest of NRC-CAA that led to effective crowd management where EI was used for professional goals.

Tejaswi Satpute in managing hooch distilleries and Arif Sheikh in 'Amcho Police, Amcho Bastar' used EI to touch sentiments of public in curbing crime.

In personal life, EI can be used to understand various opinions and be tolerant to diverse views, ex a friend with homophobia was taught about 'gender' not by outright dismissing his views but scientific evidences.

→ EI helped to be impartial as a placement coordinator during college days.

As Adam Grant says, most of the historical events have happened due to right application of EI & ES.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability refers to being answerable to one's actions, a virtue necessary for smooth functioning of institutional apparatus of the state.

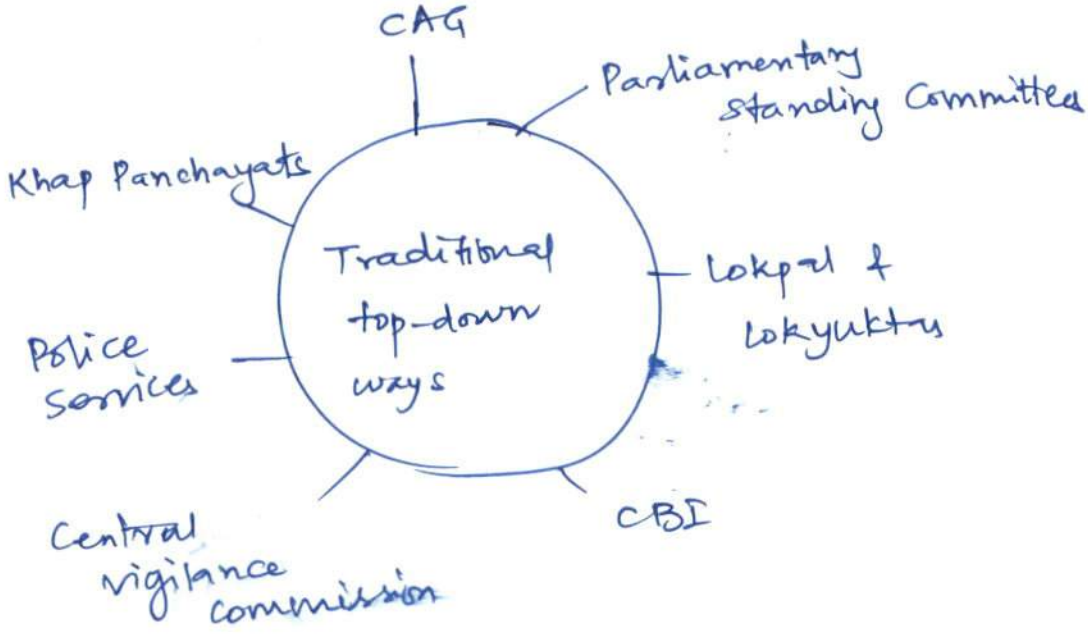

Due to the inadequacy of these approaches, various bottom-up approaches have come up →

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① Social Audit with community participation,

ex social audit of MGNREGA in Andhra Pradesh founds misappropriation of ₹650 Crore

→ Meghalaya passes social audit legislation institutionalising its need.

② Right to Information Act that makes individuals monitor the working of government & utilisation of fund in transparent manner.

③ Peer Review - in case of research ecosystem for publications, Participatory Guarantee Scheme for organic crop certification allows a bottom-up approach.

④ Initiatives of PRIs & ULBs - ex Pune MC have dedicated day for information dissemination

⑤ Use of digital tools for auditing, recording, etc. (Whoosl) - blockchain for smart contracts.

"Accountability must be at the core ethos of functioning to achieve good Governance."

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किएं गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Modernisation of Police Scheme and Prakash Singh vs UoI stresses on the use of technology by police forces to instill capacity building, transparency, effectiveness & objectivity.

(a) Issues involved in the case

(i) Breakdown of law & order where inspite of laws, robbing and mugging are prevelant in the society
→ 'erosion of ethics' in the society

(ii) Inadequacy of technology in crime profiling where it fails to deliver the accepted & correct results.

(iii) Innocent getting punished due to

fault of technology & police, innocent individual & his family had to suffere and face percsecution.

(iv) Fault & Issues with Police to blindly believe on the algorithm results of the facial recognition technology without their own due diligence.

(v) Prejudices in society - as seen in neighbours of the false accused who held grudges inspite of the accused be aquitted and with no punishment.

(vi) larger responsibility of law makeres to build SOPs that uses both technology & human intervention in investigation.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) Measures to be taken to minimise the negative implications of adopting such technology :-

Various stakeholders

(1) Police - 'SMART' Policing that is tech savvy but uses it as a supplement to their investigation & not as a replacement

(2) Algorithm Builders of facial technology to be socially responsible, use more representative data, remove biases & prejudices.

Ex RAISE - programme for social responsible use of AI.

(3) Administration - creation of norms, best practices & SOPs to ensure minimal harm is done to the individual under investigation & build SOPs to judicious use of technology.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

④ Technology transfer - International collaboration and academia support to enhance the accuracy & robustness of such technology.

⑤ Awareness & sensitisation among public to destigmatise about police and prevent 'moral policing' by society through appropriate campaigns.

Hence, advocated in Sadhna Haldar vs NCT, judiciary stresses on the ethical usage of facial recognition technology to make the criminal justice system more responsive, yet empathetic.

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In Vishakha vs State of Rajasthan (1994), Supreme Court highlighted the need to create a safe & amicable workplace for women to improve safety & labour force participation of women.

(a) **Dilemmas that Rina face**

(i) **Personal insticts vs reality** since the VP has not made any substantial wrong, verbally or by action, there is a dilemma if her uncomfort is a product of social & peer conditioning or a valid concern

(ii) **Personal safety vs professional goals** Taking any sort of action without any

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

proof can hinder Rina's personal & professional growth (she can be assumed to be difficult to work with). But here personal safety is at stake as well.

(iii) **To remain silent or take action** - whether to wait for substantive action by VP, but that can jeopardise her well being & safety.

(iv) **Belief coworkers or not** - because coworkers could be jealous because of Rina's association with VP and condition her to believe it as a matter of uncomfort.

(b) **Options that Rina has**

(i) Stay silent & wait for any action

Merit

1. Professional growth
2. Association with VP can be useful for promotion professionally
3. Better projects

Demerit

1. Personal safety at stake
2. Peers might find her opportunistic
3. Constant state of fear & anxiety

(ii) Complain to the HR/authorities/manager

Merit	Demerit
(1) Her wellbeing & safety could be preserved	(1) VP could be a gentleman & friendly person
(2) VP might be called out, similar experiences by fellow colleague will come out	(2) Rina can have to go through tedious investigation
(3) Workplace becomes safer	(3) would be assumed to be 'too sensitive' to work with
(4) Relation with peer improves	(4) If found false, she could face repurcussions like suspension etc.

(iii) Confront with VP amicably

Merit	Demerit
(1) All sorts of confusion get cleared	(1) VP can have grudge against Rina
(2) VP gets warning & deterred if having any malicious intentions	(2) Affect her personal & professional career
(3) Peers relations improve for Rina	(3) VP, if had no intentions, will be very self cautious in expressing himself.
(4) Low involvement of authorities/manager.	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iv) Leave the company

Merit	Demerit
(1) Safer work place	(1) Misses out good professional career
(2) low anxiety	(2) scope of similar incidents elsewhere.

(c) Course of action that she should adopt, similar to solution (b)(ii)

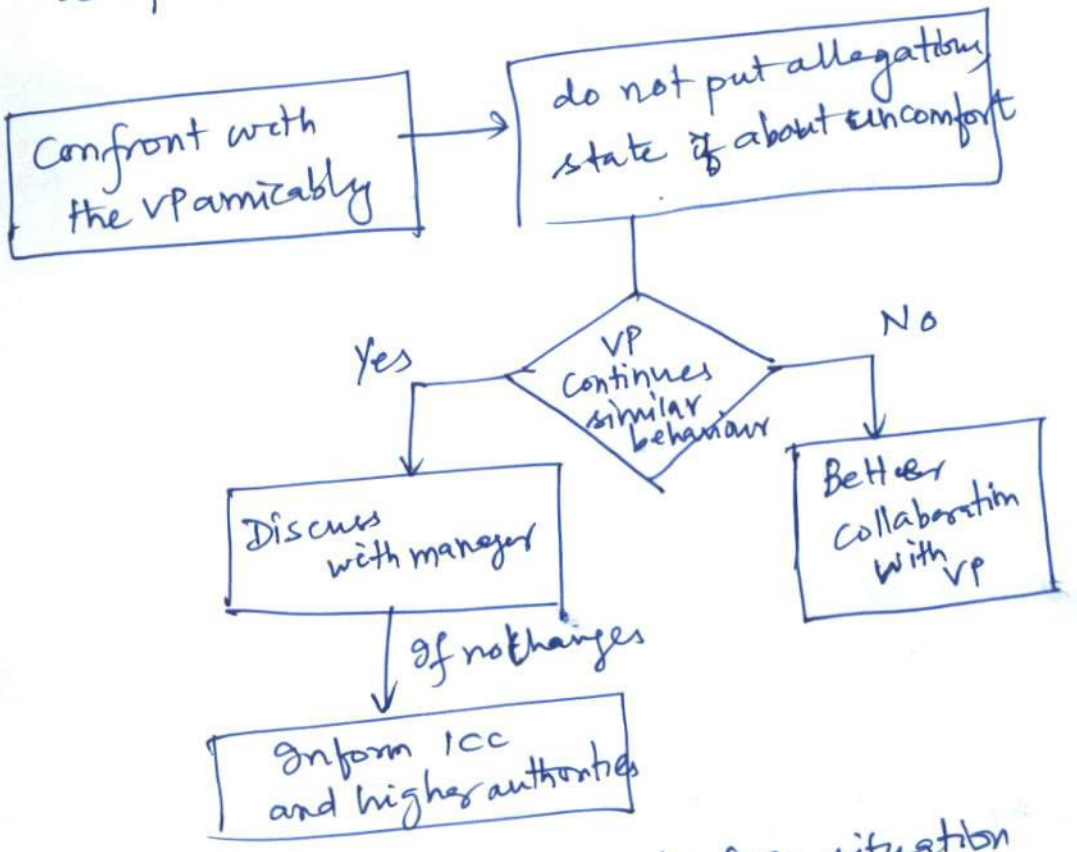

Women continue to face situation ~~to~~ similar to Rina, but with POSH Act, 2013 & formation of Internal Complaints Committee & 'SHE Box' for grievance, workplaces are becoming safer.

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) How will you resolve the issues in the given case?

(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

In the words of Martin Luther King Jr.,
"intelligence plus character should be the
true goal of education"
But the sorry state of education
due to cheating is testament to the failure
of social values & democratic

institutions to realise the true goal of education.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) **Ethical issues involved**

(i) **Productivity vs Morality** – Nodal Education Officers (NEO) can jeopardise the smooth conduct of exam & waste resources if take action; but without any action, morality gets corroded.

(ii) **Ends vs Means** – **Kant's** categorical Imperative cannot be applied due to lack of universality & moral good in the 'means' if no action is taken.

(iii) **Short term goal** vs **Long term goal**

- Conduct of exam
- prevent wastage of resources
- smooth functioning of school

- Fix the system with transparent regime
- Merit should be celebrated
- Ethical education & teachership

(iv) Align with team vs conscience

If the officer takes action, the teacher community will dissociate from him, but at conscience he understanding the implication of such unethical act.

(b) Ways to Resolve the Issue

(i) Incentivise teachers & conduct meetings with them - ensure to fight for teacher demands if they cooperate

(ii) Use of CCTV and other digital tools to ensure transparency & accountability

(iii) Rope in officer from other department to conduct & invigilate the exams if the school teachers do not cooperate

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iv) As a means of last resort, utilise civil society & media in highlighting the unethical behaviour of teachers and conduct the exams in ethical manner.

(v) Seek help from higher management for more staff for conduct the exam in a transparent manner.

(vi) Meetings with children & parents to discuss various issues and grievances.

(c)

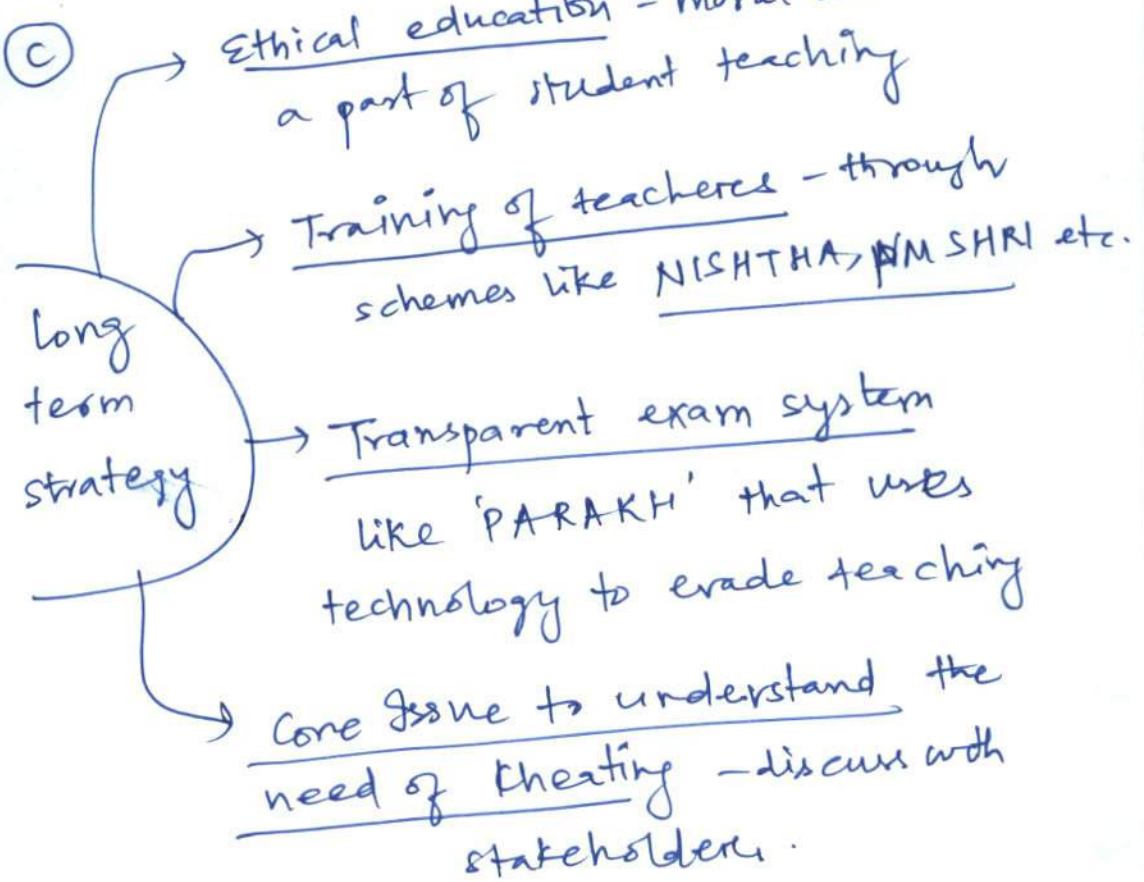

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ Improve education quality with regular monitoring & compliance

↳ Proposal for a continuous & comprehensive education system that includes yearlong examination.

Hence, in lines with SDG-5, Gandhiji's ideals are apt where he says "education is not only about literacy, but allround development of mind, body & spirit"

उम्मीदवारों व
इस हाशिए
नहीं लिखना
चाहिए
Candidat
must not
write on
this marg

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Universal Declaration of Human Rights have announced 'Right to healthy environment' as a human right, but various economic aspirations deplete the realisation of goal of sustainable living.

(a) Ethical issues in the case

(i) Environment vs economy - tussle between environmental safety vs economic growth

(ii) National interest vs ecological interest - the deep sea drilling has security, economic & geopolitical advantages for the nation, but have potential to harm the biodiversity.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iii) **Crony capitalism** - since the proceeds of the benefits will be largely appropriated by few drilling companies.

(iv) **Erosion of constitutional goals** of safe & protected environment - Article 48A, community participation (73rd & 74th Amendment) and equitable distribution of wealth (Article 39(b))

(v) **Disappointing big corporates** like Samsung, BMW, Volvo who are committed for sustainable production & mining.

(b) Vision of economic development can be achieved without affecting oceans

(i) **Environmental Impact Assessment** to judge the extent of damage and scope for rehabilitation.

→ The EIA must be carried out diligently, suitably from a 3rd party auditor with track record of impartiality.

(ii) **Social Impact Study** to map the extent of rehabilitation & displacement of indigeneous coastal communities & make arrangements for material & non-material compensation.

(iii) **Sustainable mining process** with lower carbon footprint & less geomorphological damage to be utilised, & technology transfer from International collaborators.

(iv) **Biodiversity protection** - Ex displacement of corals colonies to safer location, scientific displacement of flora & fauna

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए
Candida must not write on this mar

to a suitable location based on scientific prescription.

(v) Pilot Drilling at a small scale to understand the impact and extent of social & ecological damage.

(vi) Strengthen laws like Environmental Protection Act, CRZ Regulation, Mineral Development Regulation with Bentham's maxim of "maximum benefit to maximum people".

(vii) Empower bodies like NGT and CPCB & INCOIS for vulnerability study & review.

Anand Mahindra notes, "sustainability should be a way of life to make sustainability a way of business".

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Article 26 under 'Right to Freedom' provides fundamental right to religious organisations to manage their religious affairs, but the right has reasonable restrictions which must be followed.

(a) As a District Magistrate, my course of action to reconcile ⟹

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

⇒ Study stakeholders

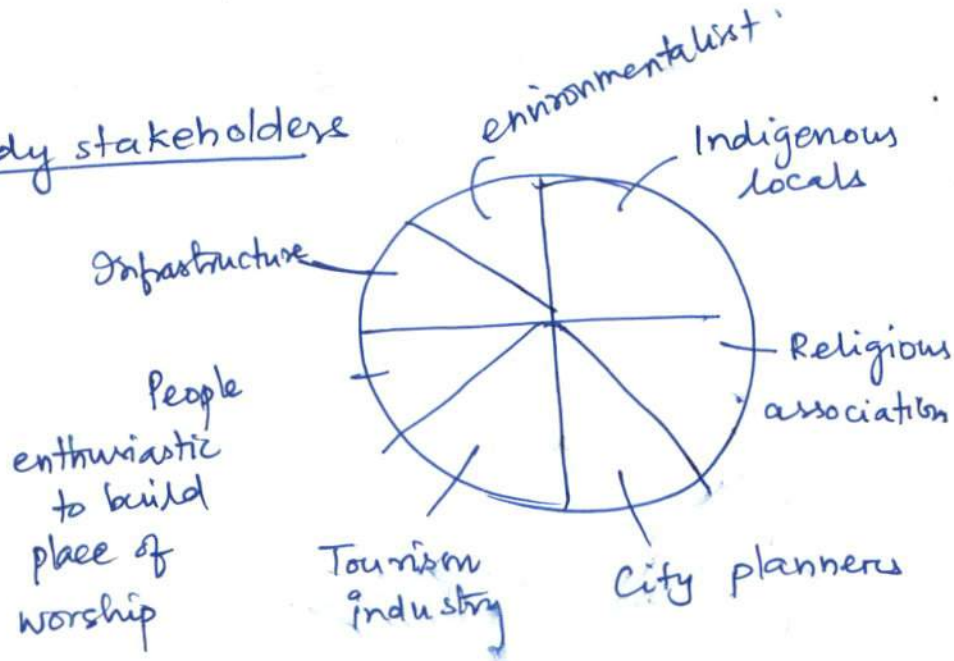

⇒ Environmental & Social Impact Study

to understand the scope & extent of complications of the construction

⇒ Material / Non material compensation

to the disadvantaged local population

Action towards favouring construction

- Reconcile to find the necessity to build the place of worship at that exact location
- Alternative places which are less fragile
- Propose modification in design suited to locals' concerns.

→ Action towards disfavouring construction

- Grievance Redressal & compensation
- Make them understand about economic benefits & employment opportunities
- Dispel any religious prejudices by collaborating with community leaders & civil society.

Methods to Reconcile

- → Regulate the entry & exit of tourist by regulated permit system
- → Religious prejudices to be evaded by sensitisation
- → Periodic review about any infrastructural or ecological damage, if any
- → Participate with community leaders for mutual understanding
- → Modification in the design of building acceptable to both section with less scope of damage.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) (1) Allow place of religious worship to be build

Merits	Demerits
(1) Religious freedom of the community restored	(1) locals can wage protest & disturb public order
(2) Scope for tourism & employment for the district	(2) Infrastructural & ecological damage
(3) Help the local to be sensitise about diverse culture	(3) Communal hatred can grow

(2) Prohibit Construction

Merits	Demerits
(1) Public order restored	(1) Religious sentiments hurt
(2) Communal tensions cleared	(2) Scope of employment/ tourism missed
(3) Environmental viability restored	(3) locals could oppose all such development work

(3) Modification of building

Merits	Demerits
(1) Reconcile both the groups' interests	(1) Religious freedom could be compromised
(2) Environmental sustainability	(2) Modifications can have ecological concerns.
(3) Scope for tourism & income	

Hence, Arcisfotle's golden mean must be utilised to navigate through such ethical dilemma

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this marg

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidat must not write on this marg

In the words of Martin Luther King Jr., "true leaders are not searcher of morality but moulderc of morality".

(a) Ethical issues in the situation

(1) Personal & professional goal for the father whether to subscribe to the party's views for ~~perso~~ professional growth in political career or adhere to moral standards of ethics

(2) Self Interest vs Daughter Interest Dilemma to follow party's wishes that could benefit the leader but jeopardise

the wishes & alliances of the daughter.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Dilemma on grandeur of marriage →

Daughter's wish for a lavish marriage speak about materialistic inclination as opposed to what should be presented by an ethical leader's family.

(4) Political Morality vs Ethical Morality

By climbing to the uppar hierarchy, the leader being open-minded can bring social changes within the party for larger impact.

- But by not subscribing to daughter's wedding he puts forward a wrong precedent & reaffirms the conservative attitude of the party.

(b) Various options in hand →

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

As a father

(1) Make the wedding happen in lavish way

+ve
- sets up precedent about progressiveness
- father daughter relation strengthened

-ve
- political career at stake
- loses election ticket
- no scope of reforms in party

(2) Make daughter understand for small wedding

- does not gather media attention or party's attention
⇓
interests of both father & daughter met

As an ambitious leader

(1) Disagree to wedding

+ve
- Helps to climb up in political career
- can bring reforms in future

-ve
- could dampen father-daughter relationship
- sets wrong precedent.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) Course of Action

Deliberate with both party leadership & daughter/to be son in law

For Party

- Take developmental action in constituency
- increase efforts to gain public trust
- help in implementing government policy
- "Development & public delivery" as the biggest election campaign

For daughter

- Talk about a normal wedding with all rituals and functions but less glamorous
- Make them understand about the wastage in weddings and political ramifications of the same
- Be more involved in wedding as father to compensate for the lack of lavish wedding

Political leaders like Sarojini Naidu who did intercaste marriage, KM Munshi for widow marriage, they themselves show the way and should inspire the contemporary leadership.

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK